तृतीय सेमेस्टर				
क्र0 सं0	कोर्स का नाम	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
3	स्वरवाद्य - रागों और तालों का अध्ययन III	एम0पी0ए0एम0आई0 - 602	100	2
	इकाई 1 - जाति गायन, राग गायन एवं राग के लक्षण; सारणा चतुष्टयी का विस्तृत अध्ययन।			
	इकाई 2 - प्रबन्ध का विस्तृत अध्ययन एवं प्रबन्ध की ध्रुपद व ख्याल से तुलना।			
	इकाई 3 - पाठ्यक्रम के रागों का पूर्ण वर्णन, तुलना एवं स्वर समूह द्वारा राग पहचानना।			
	इकाई 4 - गायन एवं तंत्रकारी पद्धति ; वादन में आलाप, जोड़ आलाप, जोड़ झाला एवं झाला ; मिजराब के बोलों के विभिन्न प्रकार के छन्दों का अध्ययन।			
	इकाई 5 - पाठ्यक्रम के रागों में मसीतखानी गत, स्थाई व अन्तरे के तोड़े आदि को लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 6 - पाठ्यक्रम के रागों में रजाखानी गत, स्थाई व अन्तरे के तोड़े आदि को लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 7 - पाठ्यक्रम की तालों का परिचय व तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़, कुआड़ व बिआड़) सहित लिपिबद्ध करना।			
नोट - विद्यार्थी तृतीय सेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत रखे गए रागों व तालों के अनुरूप अध्ययन करें।				
तृतीय सेमेस्टर राग - मियाँ की तोड़ी, गान्धारी, गुजरी तोड़ी, मियाँ मल्हार, दरबारी कान्हडा, भीमपलासी व मेघ मल्हार ताल - पंचमसवारी, दीपचन्दी, तीवरा व शिखर ताल				
सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री - 1.वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 । 2. श्रीमती शान्ति गोवर्धन, संगीत शास्त्र दर्पण । 3. डॉ0 लक्ष्मीनारायण गर्ग,राग विशारद(दोनों भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 । 4. पं0 विष्णु नारायण भातखण्डे, भातखण्डे क्रमिक पुस्तक मालिका (सभी भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 । 5. श्री विनायक राव पटवर्धन, राग विज्ञान(दोनों भाग)।				